



गृह मंत्री अमित शाह ने प्रयागराज के अक्षयवट में की पूजा-अर्चना

प्रयागराज। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सोमवार को अपने परिवार के साथ प्रयागराज के महाकुंभ नगर स्थित पवित्र अक्षयवट मंदिर पहुंचे। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य दो उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। अक्षयवट मंदिर में मुख्य पुजारी ने वेद मंत्रों का उच्चारण कर पूजा-अर्चना की।

इस मौके पर अमित शाह और उनके परिवार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिलकर अक्षयवट आरती में भाग लिया और प्रार्थना की। इसके बाद अमित शाह ने मुख्यमंत्री और संत समाज के सदस्यों के साथ अक्षयवट की परिक्रमा की। उन्होंने आगामी महाकुंभ कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की।

अमित शाह के परिवार जिसमें



उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटा जय शाह, बहू और पोते-पोतियां शामिल थे ने भी धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। गौरतलब है कि अक्षयवट का धार्मिक महत्व काफी ज्यादा है जैसा हिंदू ग्रंथों जैसे पुराणों और महाभारत में भी उल्लेखित है। माना जाता है कि भगवान राम ने अपने 14 वर्ष के

वनवास के दौरान इस पेड़ के नीचे ध्यान किया था। इससे पहले अमित शाह ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दो उपमुख्यमंत्रियों और साधु-संतों के साथ संगम में स्नान किया और अपने परिवार के साथ-साथ नागरिकों की भलाई के लिए प्रार्थना की।

महानगर पैनल में नाम भेजने के अलावा सांसद अतुल गर्ग ने नहीं लिया कोई इंस्ट्रस्ट

दखल होती तो मंडल में भी होती, करो इस बात का ट्रस्ट

गर्ग ने कोई भूमिका निभाई है। चर्चा ये है कि उन्होंने महानगर वाले नाम को लेकर दिल्ली से वोटो लगा दी है। चर्चा ये भी चली कि वो दो वैश्य चेहरों के नाम पर एक बड़ी लक्ष्मण रेखा खींच देंगे, लेकिन यहाँ अतुल गर्ग के समर्थक ऐसी किसी भी चर्चा से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि हमें यकीन नहीं है और वो ये तर्क दे रहे हैं कि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने महानगर अध्यक्ष वाले गेम में इंस्ट्रस्ट ही नहीं लिया। उन्होंने पैनल में अपने नाम



भेजे और यहाँ पर ये तर्क दिया जा रहा है कि वो महानगर वाली राजनीति के प्रेम से खुद को दूर रखकर चल रहे हैं। वो स्थानीय राजनीति में नहीं उलझना चाहते। बताया जा रहा है कि यदि वो इंस्ट्रस्ट लेते तो फिर वो मंडल वाले गेम में भी इंस्ट्रस्ट लेते। यदि उन्हें

लेकिन उन्होंने मंडल वाले चुनाव में कोई रुचि नहीं ली। किसी नाम की पर्चा उन्होंने नहीं दी। वो चाहते तो मंडल वाले गेम में इंस्ट्रस्ट लेते और यहाँ नतीजे बदल जाते।



जब ये बात हुई कि सुना है कि आपने दो नामों को लेकर वोटो लगाई है तो यहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि जिम दो लोगों की बात हो रही है मैं स्पष्ट कर दूँ कि मैंने उनके विरोध में एक भी शब्द नहीं बोला। यहाँ ये भी बात सत्य है कि ना विरोध में कुछ कहा और ना समर्थन में कुछ कहा। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का कार्यकर्ता हूँ, संगठन सर्वोपरि है और एक अनुशासित कार्यकर्ता होने के नाते मैं इस बात को कह रहा हूँ कि पार्टी जिससे भी अध्यक्ष बनाएगी मैं उसी के नेतृत्व में काम करूँगा। पार्टी जिस किसी नाम पर भी अध्यक्ष पद की मुहर लगाएगी मैं उनके गले में पुष्प हार पहनाकर उनका स्वागत करूँगा।

एनडीआरएफ गाजियाबाद : कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी को मिला राष्ट्रपति पुलिस पदक



गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद स्थित 8वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमाण्डेंट प्रवीण कुमार तिवारी को इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर इनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और 27 वर्ष की वेदांग सेवा के सम्मान में सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

बता दें कि तिवारी जी ने वर्ष 1997 में बतौर सहायक कमाण्डेंट, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में शामिल हुए। इन्होंने देश के विभिन्न भागों (लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, असम, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड आदि) में राष्ट्र की सेवा की है।

इसके बाद वह वर्ष 2020 में

प्रतिनियुक्ति पर बतौर कमाण्डेंट एनडीआरएफ गाजियाबाद में शामिल हुए। तब से लेकर इन्होंने कई आपदा ऑपरेशनों में भाग लिया और अनेक लोगों की जान बचाई। इनके नेतृत्व में 8वीं बटालियन एनडीआरएफ ने अभी तक लगभग 300 से अधिक बचाव अभियान सफलतापूर्वक चलाए, जिसमें 3000 से अधिक पीड़ितों को

बचाया गया।

पूर्व में भी इनके कार्यकाल में वर्ष 2022 में 8वीं बटालियन एनडीआरएफ को आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबन्धन पुरस्कार भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

26 जनवरी पर नहीं हुई कोई बड़ी घटना

अधिकारियों ने ली राहत वाली सांस



गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद सिस्टम से बड़ी संख्या में फोर्स महाकुंभ प्रयागराज में गया हुआ है। तो वहीं 26 जनवरी पर पुलिस

कमिश्नरेंट गाजियाबाद में सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति भी सामान्य रही। पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के किसी



बी जोन में अपराध की कोई ऐसी घटना नहीं हुई, जिससे सनसनी फैली। साथ ही शांतिपूर्वक राष्ट्रीय पर्व भी संपन्न हो गया। हालांकि पुलिस

कमिश्नरेंट गाजियाबाद सिस्टम में 26 जनवरी और अन्य त्योहारों को लेकर कुछ दिन पहले ही कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा-163 लागू कर दी गई थी।

अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने दो दिन चलाया चेकिंग अभियान

करंट क्राइम : गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद में पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया था। तो बीते दो दिन पुलिस के अधिकारियों और चौकी प्रभारियों से लेकर थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में अतिरिक्त गश्त और चेकिंग अभियान चलाए। इसके साथ ही रात के वक्त चौकी पर तनाव पुलिसकर्मियों को बीट की जिम्मेदारी सौंप गई थी ताकि किसी प्रकार की कोई वारदात ना हो।

इसके साथ ही तीनों ही जोन में पुलिस के अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस फोर्स को एक्टिव रखने के निर्देश दिए गए थे।

मोबाइल टावर से चोरी करने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार, विदेश में बेचते थे सामान, 25-25 हजार का था इनाम



गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई में दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये अपराधी देश के 10 राज्यों में मोबाइल टावरों से महंगे उपकरण चोरी कर विदेश में बेचने का धंधा करते थे। दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

एडीसीपी क्राइम सचिव दानंद राय के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में नंदग्राम निवासी 24 वर्षीय कासिम

और 26 वर्षीय फरहान शामिल हैं। पृष्ठताल में पता चला कि कासिम 5वीं तक पढ़ा है और प्लास्टिक के सामान की दुकान पर काम करता था। वहीं 12वीं पास फरहान फनीचर का काम करता था, लेकिन बेरोजगारी के चलते अपराध की राह पर चल पड़ा। यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, असम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पंजाब और मध्य प्रदेश में जियो और एयरटेल के मोबाइल टावरों से

आरआरयू, बीबीयू और अन्य उपकरण चुराता था। चोरी का माल दुबई और कंबोडिया में बेचा जाता था। आरोपियों से बरामद किए गए रेडियो रिसीवर यूनिट और बेसबैंड यूनिट की कीमत करीब 25 लाख रुपए है।

पुलिस ने बताया कि इस गिरोह के 47 सदस्य पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

जब बड़े भाई ने ली परेड की सलामी तो छोटे भाई का फूल गया गर्व से सीना

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के छोटे भाई अजय शर्मा ने कहा - पूरे गांव के लिये गौरव का पल है



अजय शर्मा हैं सफल व्यवसायी मगर कभी नहीं किया भाई की राजनीति में हस्तक्षेप

करंट क्राइम। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के छोटे भाई अजय शर्मा सफल व्यवसायी हैं। वो राजनीतिक विषयों पर चर्चा भी करते हैं, लेकिन अपने भाई की राजनीति में उन्होंने कभी हस्तक्षेप नहीं किया। किसी भी मंच पर किसी भी कार्यक्रम में वो कभी आगे नहीं आते। गाजियाबाद के किसी राजनीतिक मंच पर उन्हें कभी नहीं देखा जाता है। सबसे बड़ी बात है कि अजय शर्मा सफल व्यवसायी हैं और बेहद विनम्र डाउन टू अर्थ व्यक्ति हैं। यहां तक कि उन्होंने कभी अपने भाई के नाम का इस्तेमाल कहीं कारोबार में भी नहीं किया। अन्य कभी किसी जगह नाम नहीं लेते। ये एक बड़ी मिसाल है दर्ना परिवार का एक व्यक्ति विधायक हो तो पूरा परिवार अपने वाहनो पर विधायक लिखावा लेता है, परिचय देने लगता है, लेकिन ये पारिवारिक मूल्य हैं, ये संस्कार हैं कि कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के भाई कभी इन बातों में नहीं दिखाई देते।

आया और जब उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में परेड की सलामी ली तो हर वो व्यक्ति जो उनसे जुड़ा है वो गौरान्वित महसूस कर रहा है था और एक भाई का प्यार दिखाई दिया जब अजय शर्मा ने लिखा कि मेरे लिये, हमारे पूरे गांव के लिये ये गौरव का पल है। हम जब 40 साल पहले अपने गांव पतला निवाड़ी से शहर आए थे तब नहीं सोचा था कि एक किसान, एक अध्यापक का बेटा, एक मामूली सा संघ का स्वयंसेवक भी परेड की सलामी लेगा। यही लोकतंत्र है, यही गणतंत्र है। ये शब्दों में एक भाई का प्यार झलक रहा है। ये पारिवारिक मूल्य हैं और एक भाई की खुशी को समझा जा सकता है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अपने जब तरक्की करते हैं तो कई सपने पूरे होते हैं। एक सपना होता है कि कोई अपना शीर्ष पर पहुंचे और इस पल को बहुत करीब से बहुत शिदत से महसूस किया कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के छोटे भाई अजय शर्मा ने। उन्होंने अपनी भावनाओं का इजहार किया और पूरे गांव को इस खुशी में शामिल किया। सुनील शर्मा तीन बार के विधायक हैं और अब वो कैबिनेट मंत्री हैं। जिस जनपद में उन्होंने सियासत की शुरुआत की। जिस जनपद में उन्होंने संघ के स्वयंसेवक से अपना सफर शुरू किया उस जनपद में

जब उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली तो उनके समर्थकों को अपार खुशी हुई और उनके छोटे भाई अजय शर्मा का सीना गर्व से फूल गया। ये लाजमी भी था क्योंकि एक परिवार और उस परिवार का एक सदस्य जब अपने शहर में मेहनत करते हुए इस मुकाम पर आए तो खुशी होती ही है। वो जनपद जहां कभी परेड को दर्शकों में बैठकर देखा और उसी परेड में चीफ गेस्ट हो जाना मानो किसी सपने का सच हो जाना है।

सुनील शर्मा के हिस्से में ये गौरव

Email : currentcrimenews@gmail.com

दशरथां है ह्रद्धे उत्तरे आगे कहा ह्रद्भाज धर्म
नगरी प्रयागराज में एकता और अखंडता के
इस महाकुंभ में संपन्न स्नान करने और सत् संजनों
का आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं।

26 फरवरी तक चलेगा महाकुंभ :
प्रयागराज महाकुंभ का आज 15वां दिन है।
रविवार को संपन्न में आस्था की डुबकी
लगाने सप्ता प्रमुख अखिलेश यादव पहुंचे
थे। आज गुह मंत्री अमित शाह ने पवित्रा के
सप्ता पवित्र स्नान किया। बता दें कि महाकुंभ
मेले का शुभारंभ 13 जनवरी से हुआ है और
यह 26 फरवरी तक चलेगा।

के साथ बिस्किट के पैकेट भी वितरित किया।

मोहम्मद राशिद और उनके साथ इस सामाजिक काम में लगे लोगों ने बताया कि यह हमारा सौभाग्य है, जो हम इस पावन संगम की धरती पर लोगों की सेवा कर पा रहे हैं। हम सब भाई भाई हैं। हम लोगों के दिल में बसना चाहते हैं।

पंजाबी लोगों की दिल्ली में घूम रही गाड़ियों को लेकर सुरक्षा संबंधी बयान देने वाले भाजपा नेता प्रवेश शर्मा के खिलाफ रविंदर सिंह ने बड़िंडा अदालत में मानहानि का केस दायर किया है। इस मामले में 28 जनवरी को सुनवाई होगी। इसके चलते एक बार फिर से भाजपा को विपक्षी दलों के विरोध का सामना करना पड़ रहा।

दिवस यानी 26 जनवरी इस बार सबसे गर्म रही है। मौसम का तेजी से गर्म होना इसका असर दिखाई देगा। मौसम विशेषज्ञ डॉक्टर युपी शाही का कहना है कि 29 जनवरी से एक पश्चिम विश्वोष्ण फिर से सक्रिय हो रहा है, जिसका असर वेस्ट यूपी में भी दिखाई देगा।

पहाड़ों से लेकर वेस्ट यूपी में हल्की बारिश और मौसम में बदलाव के असर होने से 2 दिसंबर तक पामान गिर रही है। फरवरी की शुरुआत में मौसम में थोड़े बदलाव के असर हैं जिस कारण से आज का तापमान भी काम होगा।

ऐसा मौसम फसलों के लिए नहीं है अनुकूल

मोदीपुरम सरगर वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉक्टर आरएस सेंगर का कहना है कि जिस तरह से मौसम पिछले एक सप्ताह से चल रहा है वह फसलों के लिए अनुकूल नहीं है।

